UNIVERSITY NEWS 30 OCTOBER 2025

AMAR UJALA

लविवि : मौखिक परीक्षा चार को

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के बीकॉम पांचवें सेमेस्टर के इंटर्नशिप प्रोजेक्ट रिपोर्ट की मौखिक परीक्षा चार नवंबर को होगी। विभाग की डीन प्रो. अर्चना सिंह ने बताया कि बीकॉम पांचवें सेमेस्टर के रेगुलर व लेटर फाइनेंस के विद्यार्थियों की उक्त परीक्षा सुबह 11 से 3:30 बजे के बीच होगी। वहीं बीएससी वनस्पति विज्ञान के पहले सेमेस्टर की प्रायोगिक परीक्षा 12 व 13 नवंबर को होगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

उच्च शिक्षा में है तकनीक की महती भूमिका

लखनऊ। लखनऊ विवि और 'स्वयं' प्लेटफॉर्म की ओर से कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया के सहयोग से 'एंपावरिंग हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस इन टेक्नोलॉजी इनेबल एंड अनेबेड लर्निंग' विषय पर पांच दिवसीय ऑनलाइन कार्यक्रम की शुरुआत बुधवार को हुई। उद्घाटन सत्र में कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने कहा कि उच्च शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनाने में तकनीक की महती भूमिका है। डॉ. किरण लता डांगवाल और कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा ने तकनीक आधारित शिक्षा की उपयोगिता पर जोर दिया। यह कार्यक्रम तीन नवंबर तक चलेगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

पौधों की वृद्धि में बाधा भी बनती हैं ऑक्सीजन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की वनस्पति विज्ञान विभाग की शोधार्थी निकिता वर्मा ने शोध के जरिये पौधों के बढ़ने और लकड़ी की मजबूती, गुणवत्ता आदि में ऑक्सीजन की भूमिका पर रोचक खुलासा किया है। प्रो. राजेश कुमार तिवारी के निर्देशन में किए गए शोध में पता लगा है कि कुछ क्रियाशील ऑक्सीजन प्रजातियां (रिएक्टिव ऑक्सीजन) जैसे सुपर ऑक्साइड आदि पौधों की वृद्धि में सहायक बनती हैं, जबकि हाइड्रोजन परऑक्साइड जैसी ऑक्सीजन की प्रजातियां पौधों के विकास में बाधा बनती हैं। इस शोध को विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिक पत्रिका-जर्नल ऑफ प्लांट ग्रोथ रेगुलेशन (स्प्रिंगर नेचर) ने अपने कवर पेज पर जगह दी है। (माई सिटी रिपोर्टर)

लविवि : ऑनलाइन स्नातक कोर्स की पढ़ाई चार व परास्नातक की पांच यूनिट में की जाएगी पूरी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के जुलाई–अगस्त 2025 बैच के छात्रों के लिए एकेडमिक कैलेंडर जारी कर दिया है। विवि के सेंटर फॉर ऑनलाइन एंड डिस्टेंस एजुकेशन के निदेशक प्रो. पियूष भार्गव ने बताया कि ऑनलाइन स्नातक कोर्स की पढ़ाई चार यूनिट में और परास्नातक की पांच यूनिट में पूरी की जाएगी। स्नातक के पहले सेमेस्टर की पहली यूनिट की पढ़ाई 17 नवंबर तक चलेगी और इनके असाइनमेंट 17 से 23 नवंबर के बीच जमा होंगे। चौथी यूनिट 31 जनवरी तक पूरी होगी और उसके असाइनमेंट 31 जनवरी से 6 फरवरी के बीच जमा किए जाएंगे। परास्नातक छात्रों के लिए पहली यूनिट की पढ़ाई 12 नवंबर तक, जबकि आखिरी यूनिट 31 जनवरी तक होगी। उनके असाइनमेंट भी 31 जनवरी से 6 फरवरी के बीच जमा होंगे। छात्र पूरी जानकारी विवि की वेबसाइट https://luonlineeducation.in पर देख सकते हैं।

■ **तीन बैचों की परीक्षाएं आज से :** लखनऊ विवि के इन ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के तीन बैचों की परीक्षाएं 30 अक्तूबर से शुरू हो रही हैं और 13 नवंबर तक होंगी। डॉ. पियूष भार्गव ने बताया कि सभी छात्रों के प्रवेश पत्र जारी किए जा चुके हैं और परीक्षाओं की पूरी तैयारी कर ली गई है। ये परीक्षाएं लखनऊ विवि परिसर में सुबह 11 से दोपहर दो बजे तक होंगी। ये तीन बैच- जनवरी 2025 बैच (पहला सेमेस्टर), जुलाई 2024 बैच (दूसरा सेमेस्टर) और जनवरी 2024 बैच (तीसरा सेमेस्टर) हैं, जिनकी परीक्षाएं 30 अक्तूबर से शुरू हो रही हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

DAINIK JAGRAN

क्रियाशील आक्सीजन से सबसे तेज बढ़ते हैं पापुलर के पौधे

- लवि के वनस्पति विज्ञान विभाग में हुए शोध में सामने आए तथ्य
- स्प्रिंगर नेचर की पत्रिका ने प्रकाशित किया अध्ययन

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग ने अपने शोध में पौधों की वृद्धि और लकड़ी की गुणवत्ता को लेकर महत्वपूर्ण तथ्य का पता लगाया है। विभाग के प्रोफेसर राजेश कुमार तिवारी के निर्देशन में शोधार्थी निकिता वर्मा ने पापुलर के पेड़ों की विभिन्न प्रजातियों पर अध्ययन करते हुए पाया कि पौधों की वृद्धि में क्रियाशील आक्सीजन प्रजातियां (रिएक्टिव आक्सीजन स्पीसीज) की भूमिका बेहद अहम होती है।

शोधार्थी निकिता वर्मा ने बताया कि शोध के पहले चरण में सात विभिन्न पापुलर (पिनार) प्रजातियों की स्क्रीनिंग की, जिसमें पौधों की वृद्धि और उनमें उपस्थित क्रियाशील आक्सीजन के स्तर के आधार पर तुलना की गई। इसके बाद चयनित दो प्रजातियों की नियंत्रित परिस्थितियों में पानी में उगाकर उनके विकास पर सक्रिय आक्सीजन के प्रभावों का अध्ययन किया गया। इसमें पता चला कि सुपर आक्साइड जैसी आक्सीजन प्रजातियां पौधों की वृद्धि को तेज करती हैं, जबकि हाइड्रोजन परआक्साइड वृद्धि में बाधा डालती है। साथ ही, इन तत्वों का प्रभाव पौधों में सेल्युलोज और लिग्निन के निर्माण पर भी पड़ता है, जो लकड़ी की मजबूती और गुणवत्ता तय करते हैं।

पापुलर के पौधे की वृद्धि मापते हुए शोधार्थी निकिता वर्मा • सौ साभार

शिमको 109 प्रजाति सबसे अधिक प्रभावी : शोध में शिमको 109 नामक पापुलर की प्रजाति सबसे प्रभावी पाई गई। इसमें सुपर आक्साइड का स्तर अधिक और लिग्निन की मात्रा कम थी, जिससे इसकी वृद्धि दर तेज और लकड़ी की गुणवत्ता बेहतर रही।

इस महत्वपूर्ण अध्ययन को प्रतिष्ठित स्प्रिंगर नेचर की क्यू-1 टियर पत्रिका जर्नल आफ प्लांट ग्रोथ रेगुलेशन ने प्रकाशित किया है। इस शोध के लिए सीएसआइआर-एचआरडीजी नई दिल्ली की ओर से 2021-2024 की अवधि के लिए वित्तीय सहायता दी गई थी। यह अध्ययन भविष्य में वन जैव-प्रौद्योगिकी और पर्यावरण-अनुकूल पौधारोपण के क्षेत्र में नई संभावनाएं खोल सकता है।

बीएससी कृषि में कौशल संवर्धन पाठ्यक्रमों का पेपर पैटर्न तय

लवि के वनस्पति विज्ञान विभाग में बोर्ड आफ स्टडीज की बैठक

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीएससी कृषि प्रथम सेमेस्टर में पढ़ाए जाने वाले कौशल संवर्धन (स्किल एनहांसमेंट) पाठ्यक्रमों का पेपर पैटर्न और मूल्यांकन का प्रारूप तय कर दिया है। मशरूम कल्टीवेशन और बेसिकोलिफल इनसेक्ट फार्मिंग पाठ्यक्रम का मूल्यांकन प्रैक्टिकल आधारित होगा। इसके लिए 100 अंक दिए जाएंगे। यह मूल्यांकन बाह्य और आंतरिक परीक्षक करेंगे। बुधवार को लवि के वनस्पति विज्ञान विभाग में हुई बोर्ड आफ स्टडीज की बैठक में इस प्रस्ताव को अनुमोदन दिया गया। इसकी गाइडलाइन सभी 23 कृषि कालेजों में भेजी जाएगी।

विभाग की अध्यक्ष एवं कृषि संकाय की अधिष्ठाता प्रोफेसर गौरी सक्सेना ने बताया कि स्किल एनहांसमेंट कोर्सों में प्रैक्टिकल के लिए संबद्ध कालेजों में परीक्षक भेजे जाएंगे। मशरूम कल्टीवेशन में हम विद्यार्थियों को इसकी खेती आदि के बारे में सिखाते हैं ताकि विद्यार्थी अपना स्टार्ट भी शुरू करके आत्मनिर्भर बन सकता है। इसी तरह बेसिकोलिफल इनसेक्ट फार्मिंग में भी फार्मिंग (मधुमक्खी) के बारे में पढ़ाया जाता है। इन दोनों में प्रैक्टिकल पर अंक दिए जाएंगे। शेष पांच विषयों एग्रोनामी, मृदा विज्ञान, कम्युनिकेशन स्किल, हर्टिकल्चर, फार्मिंग बेस लाइवली वुड सिस्टम में 30 अंक का प्रैक्टिकल, 50 की थ्योरी और 20 अंकों का आंतरिक मूल्यांकन होगा।

15 साल बाद शुरू होगा एकेडमिक टूर : लवि विश्वविद्यालय के एम.एससी तीसरे सेमेस्टर में 15 साल बाद फिर से विद्यार्थियों के लिए एकेडमिक टूर शुरू होगा। प्रोफेसर गौरी सक्सेना ने बताया कि 2009 में आखिरी बार यह टूर हुआ था। अब फिर से इसे शुरू करने पर सहमति बनी है। इसमें जाने वाले विद्यार्थी वापस आकर अपनी रिपोर्ट देंगे। उसका मूल्यांकन कर प्रैक्टिकल के पेपर में अंक जोड़े जाएंगे। बोर्ड आफ स्टडीज की बैठक में प्रो. अल्का कुमारी, प्रो. एन.एन पांडेय, प्रो. शशनी श्रीवास्तव, डा. राजेश तिवारी, डा. प्रदीप कुमार, डा. प्रवीण गुप्ता, चीफप्रूव्ट के सेवानिवृत्त प्रो. एम्बी राय, एनडी विश्वविद्यालय के प्रो. संजय पाठक भी शामिल रहे।

HINDUSTAN

चिनार में क्रियाशील ऑक्सीजन परखी

लखनऊ। एलयू के वनस्पति विभाग के प्रो. राजेश कुमार तिवारी के निर्देशन में शोधार्थियों ने पॉप्लर पेड़ की सात विभिन्न प्रजातियों पर अध्ययन किया। यह अध्ययन पौधों में क्रियाशील ऑक्सीजन की भूमिका, विकास दर और लकड़ी की गुणवत्ता सुधार के बीच संबंधों को उजागर करता है। जो भविष्य में वन जैव-प्रौद्योगिकी और पर्यावरण-अनुकूल वृक्षारोपण के क्षेत्र में नई संभावनाएं खोल सकता है। प्रो. राजेश कुमार ने बताया किशोध को स्प्रिंगर नेचर की प्रतिष्ठित टियर पत्रिका जर्नल ऑफ प्लांट ग्रोथ रेगुलेशन ने प्रकाशित किया है।

लवि : व्याख्यान में छात्रों ने प्रस्तुत किए शोध पत्र

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में बुधवार को डा. पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल व्याख्यान माला का आयोजन हुआ। इसमें विभाग के शोध छात्र सुधीष मिश्र ने 'गोरख और कबीर का शब्दयोग' और शोभित द्विवेदी ने 'चार्वाक दर्शन की प्रासंगिकता' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किए। हिंदी के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन अग्रवाल एवं व्याख्यानमाला की प्रभारी प्रो. हेमांशु सेन ने पूर्व आचार्यों प्रो. हरिशंकर मिश्र का स्वागत किया। इस अवसर पर हिंदी विभाग के प्रो. सूरज बहादुर थापा, प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह, प्रो. श्रुति, प्रो. अलका पाण्डेय, डा. ममता तिवारी, डा. राहुल पाण्डेय व विद्यार्थी उपस्थित रहे। वि.

'उच्च शिक्षा का अनिवार्य अंग बने डिजिटल उपकरण'

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय एवं स्वयं@लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में कामनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फार एशिया के सहयोग से बुधवार को पांच दिवसीय आनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम शुरू हुआ। लवि की स्वयं समन्वयक डा. किरण लता डांगवाल ने कहा कि डिजिटल उपकरण और ब्लेंडेड लर्निंग उच्च शिक्षा का विकल्प नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा का अनिवार्य अंग बन चुके हैं। कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने कहा ऐसे मंच शिक्षकों को सीखने, पुनः सीखने और नवाचार के लिए प्रेरित करते हैं। कुलसचिव डा. भावना मिश्रा ने एजेंडी के संदर्भ में एफडीपी कार्यक्रम पर चर्चा की। इसमें देश भर के कई शिक्षक शामिल हुए। वि.

शिक्षा को सुलभ, समावेशी बनाने में तकनीक अहम

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय और स्वयम एलयू की ओर से ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया के सहयोग से पांच दिवसीय कार्यक्रम में प्रौद्योगिकी-सक्षम और निर्मित शिक्षा पर चर्चाएं ने बात रखी। स्वयम की समन्वयक डॉ. किरण लता डांगवाल कहा कि आज के समय में शिक्षा को सुलभ, समावेशी और शिक्षार्थी-केंद्रित बनाने में तकनीक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

AMRIT VICHAR

लविवि में 5 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम प्रारंभ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय में सोमवार से 5 दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम शुरू हुआ। यह कार्यक्रम स्वयम और कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (नई दिल्ली) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का विषय है 'एमपॉवरिंग हायर एजुकेशन विद टेक्नोलॉजी'। यह कार्यक्रम 29 अक्टूबर से 3 नवंबर तक प्रतिदिन दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक चलेगा।

कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों की डिजिटल दक्षता बढ़ाना और उच्च शिक्षा संस्थानों की तकनीक-संवर्धित शिक्षण क्षमता को सशक्त बनाना है। उद्घाटन सत्र की शुरुआत डॉ. किरण लता डांगवाल (स्वयम समन्वयक) के संबोधन से हुई। उन्होंने तकनीक-सक्षम शिक्षा को सुलभ, समावेशी और शिक्षार्थी-केंद्रित बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में कार्यक्रम की प्रासंगिकता बताई, जबकि कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने विश्वविद्यालय में डिजिटल सशक्तिकरण और शिक्षण नवाचार को लेकर चल रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला।

व्याख्यानमाला में उपस्थित छात्राएं।

व्याख्यानमाला का आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में डॉ. पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल व्याख्यानमाला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में विभाग के शोध छात्रों सुधीष मिश्र और शोभित द्विवेदी ने क्रमशः 'गोरख और कबीर का शब्दयोग' तथा 'चार्वाक दर्शन की प्रासंगिकता' विषयों पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। विभागाध्यक्ष प्रो. पवन अग्रवाल और व्याख्यानमाला की प्रभारी प्रो. हेमांशु सेन ने मुख्य अतिथि पूर्व आचार्य प्रो. हरिशंकर मिश्र का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रो. सूरज बहादुर थापा, प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह, प्रो. श्रुति, प्रो. अलका पाण्डेय, डॉ. ममता तिवारी, डॉ. राहुल पाण्डेय सहित विभाग के सभी शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

पौधों में मौजूद ऑक्सीजन बदलेगी जैवप्रौद्योगिकी की दिशा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लखनऊ विश्वविद्यालय की शोधार्थी का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित अध्ययन

अमृत विचार: पौधों की लकड़ी की गुणवत्ता और तनों की मजबूती उनके भीतर बनने वाले सेल्युलोज और लिग्निन की मात्रा पर निर्भर करती है, जो ऑक्सीजन की सक्रिय उपस्थिति से प्रभावित होती है। यह खुलासा लखनऊ विश्वविद्यालय की शोधार्थी निकिता वर्मा ने अपने शोध में किया है। उनका अध्ययन प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल 'जर्नल ऑफ प्लांट ग्रोथ रेगुलेशन' के कवर पेज पर प्रकाशित हुआ है।

प्रो. राजेश कुमार तिवारी के निर्देशन में किए गए इस शोध में चिनार (पॉप्लर) की नौ प्रजातियों का विश्लेषण किया गया। यह अध्ययन सीएसआईआर–एचआरडीजी की 2021–2024 परियोजना के तहत वित्तपोषित है। पहले चरण में सात प्रजातियों की वृद्धि और उनमें मौजूद क्रियाशील ऑक्सीजन के स्तर की तुलना की गई, जबकि दूसरे चरण में चयनित दो प्रजातियों को नियंत्रित परिस्थितियों में उगाकर सक्रिय ऑक्सीजन के प्रभावों का परीक्षण किया गया।

अध्ययन में पाया गया कि कुछ क्रियाशील ऑक्सीजन प्रजातियां पौधों की वृद्धि को बढ़ावा देती हैं, जबकि हाइड्रोजन परऑक्साइड वृद्धि में बाधा डालती है। यह शोध पौधों में ऑक्सीजन की भूमिका, उनकी विकास दर और लकड़ी की गुणवत्ता के बीच गहरे संबंधों को उजागर करता है। यह निष्कर्ष भविष्य में वन, जैवप्रौद्योगिकी और पर्यावरण-अनुकूल वृक्षारोपण के क्षेत्र में नए अवसर खोल सकता है।

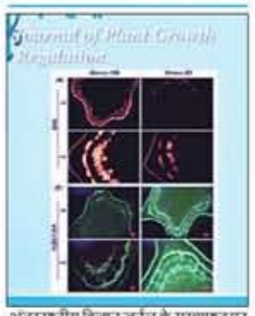

अंतरराष्ट्रीय विज्ञान जर्नल के मुखपृष्ठ पर लविवि की छात्रा

I NEXT

रिएक्टिव आक्सीजन स्पीसीज की पौधों की वृद्धि में है अहम भूमिका

GOOD NEWS

एलयू के वनस्पति विज्ञान विभाग में हुए शोध में सामने आए तथ्य

LUCKNOW (29 OCT): लखनऊ यूनिवर्सिटी के वनस्पति विज्ञान विभाग ने अपने शोध में पौधों की वृद्धि और लकड़ी की गुणवत्ता को लेकर महत्वपूर्ण तथ्य का पता लगाया है. प्रो. राजेश कुमार तिवारी के निर्देशन में शोधार्थी निकिता वर्मा ने पापुलर (पिनार) के पेड़ों की विभिन्न प्रजातियों पर अध्ययन करते हुए पाया कि पौधों की वृद्धि में क्रियाशील आक्सीजन प्रजातियों (रिएक्टिव आक्सीजन स्पीसीज) की भूमिका आहम है.

शिमको 109 प्रजाति सर्वाधिक प्रभावी

शोध में शिमको 109 नामक पापुलर की प्रजाति सबसे प्रभावी पाई गई. इसमें सुपर आक्साइड का स्तर अधिक और लिग्निन की मात्रा कम थी. जिससे इसकी वृद्धि दर तेज और गुणवत्ता बेहतर रही. इस महत्वपूर्ण अध्ययन को प्रतिष्ठित स्प्रिंगर नेचर की क्यू-1 टियर पत्रिका जर्नल आफ प्लाट ग्रोथ रेगुलेशन ने प्रकाशित किया है. यह अध्ययन भविष्य में वन जैव-प्रौद्योगिकी और पर्यावरण-अनुकूल पौधारोपण के क्षेत्र में नई संभावनाएं खोल सकता है.

आक्सीजन प्रभावों का अध्ययन

निकिता वर्मा ने बताया कि शोध के पहले चरण में सात विभिन्न पापुलर प्रजातियों की स्क्रीनिंग की. जिसमें पौधों की वृद्धि और उनमें मौजूद क्रियाशील आक्सीजन के स्तर के आधार पर तुलना की. चयनित दो प्रजातियों को नियंत्रित परिस्थितियों में पानी में उगाकर उनके विकास पर सक्रिय आक्सीजन के प्रभावों का अध्ययन किया तो पता चला कि सुपर आक्साइड जैसी आक्सीजन प्रजातियां पौधों की वृद्धि को तेज करती हैं. वहीं हाइड्रोजन परआक्साइड वृद्धि में बाधा डालती है. इन तत्वों का प्रभाव पौधों में सेल्युलोज और लिग्निन के निर्माण पर भी पड़ता है, जो लकड़ी की गुणवत्ता तय करते हैं.

15 साल के बाद शुरू होगा एकेडमिक टूर

लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में हुई बोर्ड आफ स्टडीज

LUCKNOW (29 OCT): लखनऊ यूनिवर्सिटी ने बीएससी कृषि प्रथम सेमेस्टर में पढ़ाए जाने वाले कौशल संवर्धन (स्किल एनहांसमेंट) कोर्स का पेपर पैटर्न और मूल्यांकन का प्रारूप तय कर दिया है. मशरूम कल्टीवेशन और बेसिकोलिफल इनसेक्ट फार्मिंग कोर्स का मूल्यांकन प्रैक्टिकल आधारित होगा. इसके लिए 100 अंक दिए जाएंगे. यह मूल्यांकन बाह्य और आंतरिक परीक्षक करेंगे. बुधवार को लखनऊ यूनिवर्सिटी गौरी सक्सेना ने बताया कि स्किल के वनस्पति विज्ञान विभाग में हुई एनहांसमेंट कोर्सों में प्रैक्टिकल के लिए बोर्ड आफ स्टडीज की बैठक में इस संबद्ध कालेजों में परीक्षक भेजे जाएंगे. प्रस्ताव को अनुमोदन दिया गया. इसकी मशरूम कल्टीवेशन में हम विद्यार्थियों गाइडलाइन सभी 23 कृषि कालेजों में को इसकी खेती आदि के बारे में सिखाते भेजी जाएगी.विभाग की अध्यक्ष एवं हैं ताकि विद्यार्थी अपना स्टार्ट भी शुरू कृषि संकाय की अधिष्ठाता प्रोफेसर करके आत्मनिर्भर बन सकता है.

2009 में हुआ था लास्ट टूर

लखनऊ यूनिवर्सिटी के एमएससी तीसरे सेमेस्टर में 15 साल बाद फिर से विद्यार्थियों के लिए एकेडमिक टूर शुरू होगा. प्रोफेसर गौरी सक्सेना ने बताया कि 2009 में आखिरी बार यह टूर हुआ था. अब फिर से इसे शुरू करने पर सहमति बनी है. इसमें जाने वाले विद्यार्थी वापस आकर अपनी रिपोर्ट देंगे. उसका मूल्यांकन कर प्रैक्टिकल के पेपर में अंक जोड़े जाएंगे.

TOI

'Eureka' to bring science, art and innovation

Lucknow: Lucknow University is all set to spark a wave of creativity and collaboration with its first-ever three-day inter-disciplinary student fest, 'Eureka'. A fusion of science, art, and entrepreneurship, the fest aims to redefine campus culture by turning ideas into action. The poster release on Nov 10 will officially begin the countdown to the grand celebration, scheduled for Jan 2026. One of the main attractions of the fest will be 'University Tank', inspired by Shark Tank. It will allow students and budding entrepreneurs from Lucknow University and its affiliated colleges to pitch their startup ideas before a panel of investors and mentors.

The fest will also include science and art workshops, panel discussions, and cultural performances.